



बस्टर्ड संरक्षण का अगला चरण

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय \(MoEFCC\)](#) ने [ग्रेट इंडियन बस्टर्ड \(Great Indian Bustard- GIB\)](#) तथा [लेसर फ्लोरकिन](#) के संरक्षण के अगले चरण के लिये 56 करोड़ रुपए मंजूर किये हैं।

मुख्य बटु:

- इस योजना में आवास विकास, [सुव-स्थाने संरक्षण](#), संरक्षण प्रजनन केंद्र का निर्माण कार्य पूरा करना, बंदी-प्रजनन पक्षियों को मुक्त करना तथा अन्य गतिविधियाँ शामिल हैं।
- [राष्ट्रीय CAMPA \(प्रतपूरक वनरोपण नधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण\)](#) ने [भारतीय वन्यजीव संस्थान \(Wildlife Institute of India's- WII\)](#) के प्रस्ताव की सफ़ारिश शासी नक़ाय को की थी।
- इस प्रजाति को पुनर्जीवित करने की योजना सर्वप्रथम वर्ष 2013 में [राष्ट्रीय बस्टर्ड रक़िवरी योजना](#) के तहत शुरू की गई थी, जसिने बाद में [2016 में बस्टर्ड रक़िवरी प्रोजेक़्ट](#) को जन्म दया।
- बाद में जुलाई 2018 में [MoEFCC](#), [राजस्थान वन वभिाग](#) और [WII](#) के बीच एक त्रपिक़ीय समझौते पर हस्ताक़्षर कया गए।
- तीनों पक्षों द्वारा संचालित परयोजना के हसिसे के रूप में दो [GIB संरक्षण प्रजनन केंद्र](#) और एक [लेसर फ़्लोरकिन केंद्र](#) क्रमशः [राजस्थान के सैम, रामदेवरा तथा सौरसन](#) में कार्य कर रहे हैं।
- सैम और रामदेवरा की टीम ने इस प्रजाति की मूल आबादी (Founder Population) के पुनः वन्यीकरण हेतु वनों से ग्रेट इंडियन बस्टर्ड/गोडावण के [अंडों को एकत्र करके प्रजनन केंद्र में उनका कृत्रमि रूप से ऊष्मायन एवं उद्भवन \(Incubated and Hatched\)](#) कर संवर्द्धन कया गया
- वर्तमान में वनों में लगभग 140 GIB और 1,000 से भी कम लेसर फ़्लोरकिन शेष हैं।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड

The GIB is among the heaviest birds that can fly



THE GREAT INDIAN BUSTARD

GIB has been put in the Red List of the International Union for Conservation of Nature

DID YOU KNOW?

The Great Indian Bustard was proposed as a candidate for the National Bird of India and was under consideration.



The bird is hunted for its meat in Pakistan

PAKISTAN



It migrates from Rajasthan to Pakistan

THREATS TO THE BIRD

- Annual and perennial non-timber crops
- Renewable energy
- Transportation and power lines
- Human intrusions and disturbance
- Invasive and other problematic species, genes & diseases



2011

The year the species was enlisted in the critically endangered category

150

The approx population of the species in 2018

Height
3.3ft tall

Weight
18 kg

THE GIB IS RESTRICTED TO POCKETS IN

1. Andhra Pradesh
2. Gujarat
3. Karnataka
4. Maharashtra
5. Madhya Pradesh
6. Rajasthan

//

- ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (*Ardeotis nigricaps*) राजस्थान का राजकीय पक्षी है और भारत का सबसे गंभीर रूप से संकटापन्न पक्षी माना जाता है।
- यह घास के मैदान की प्रमुख प्रजाति मानी जाती है, जो चरागाह पारस्थितिकी का प्रतिनिधित्व करती है।
- ये अधिकांशतः राजस्थान और गुजरात में पाए जाते हैं। महाराष्ट्र, कर्नाटक एवं आंध्र प्रदेश में यह प्रजातिक्रम संख्या में पाई जाती है।
- सुरक्षा की स्थिति:
- अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की रेड लिस्ट: गंभीर रूप से संकटापन्न
- वन्यजीवों एवं वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES): परशिषिट-1
- प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण पर अभिसमय (CMS): परशिषिट-1
- वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972: अनुसूची-1

लेसर फ्लोरकिन (*Sypheotides indicus*)



दृष्टि
The Vision

- यह भारत में पाई जाने वाली तीन स्थानिक बस्टर्ड प्रजातियों में से एक है, अन्य दो प्रजातियाँ बंगाल फ्लोरकिन और ग्रेट इंडियन बस्टर्ड हैं।
- स्थानीय भाषा में इस पक्षी को 'खरमोर' के नाम से जाना जाता है, जो मोर के मूल शब्द 'मोर' से निकला है।
- यह लुप्तप्राय पक्षी राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात में पाया जाता है।
- संरक्षण की स्थिति:
- **अंतरराष्ट्रीय प्रकृतिसंरक्षण संघ की रेड लिस्ट:** संकटग्रस्त
- **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972:** अनुसूची-1
- **वन्यजीवों एवं वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES):** परशिष्ट II

<https://www.youtube.com/watch?v=ggavPiG5ccQ>

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/next-phase-of-bustard-conservation>